बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – क

परमेश्वर का वचन

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ –क

बाईबल परमेश्वर का वचन है

क) परमेश्वर का विशेष पुस्तक

बाईबल दुनियां की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक हैं। इसका अनुवाद दूसरे पुस्तकों की तुलना में अधिक है। बाईबल को प्रारंभ में इब्रानी, अरामिक और युनानी भाषा में लिखी गई, जो अनुवाद हमारे पास है वह संवर्पित लोगो की मेहनत का फल हैं जिससे हम इस महान पुस्तक को हम पा सके और परमेश्वर के वचन, विचार और योजना को समझ सके। यह संसार की प्राचीन पुस्कतकों में से एक है और संसार की आधुनिक पुस्तक भी जिसमें हमें जीवन के कठिन प्रश्नों का उŽार मिलते है जैसे:–

क. मैं कहाँ से आया हूँ?

ख. मैं यहाँ €यों हूँ?

ग. मैं कहाँ जाऊँगा?

पवित्र शस्त्र का केन्द्र विंदू परमेश्वर की प्यार की योजना है जो मानव जाति को बचाता है जो स्वयं कि दुनियाँ में जकड़े हुए हैं और परमेश्वर की हर बात से दूर हो गये हैं। आरंभ में हम परित्र शास्त्र के कुछ प्रश्नों का उŽार देंगे जिससे हम पवित्र शास्त्र को शीघ्र परख पायेंगे।

क. पवित्र शास्त्र में कितने पुस्तक हैं?

ख. पवित्र शास्त का दो विभाजन €या हैं?

ग. कितने पुस्तक हैं पुराने नियम नये नियम।

घ. पवित्र शास्त्र का सबसे बड़ा अध्याय कौन सा हैं?

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

भ. पवित्र शास्त्र का सबसे छोटा अध्याय कौन सा हैं ?

म. पवित्र शास्त्र का सबसे बड़ा वचन कौन सा हैं ?

स्त्र. पवित्र शास्त्र का सबसे छोटा वचन कौन सा हैं ?

त्त. पवित्र शास्त्र के केन्द्र बिंदू कौन सा वचन बताता हैं ?

–. पवित्र शास्त्र की कौन सी पुस्तक में एक ही अध्याय हैं ?

क. पवित्र शास्त्र का लेखक कौन है ?

पुराने समय में हम परमेश्वर के कार्य उसके लोगो के साथ, यीशु मसीह के जन्म के पूर्व देखते हैं। नये नीयम में हम यीशु मसीह का जीवन और सेवकाई, उसके स्वर्गारोहण के पश्चात यीशुके शिष्यो द्वारा उसकी सेवकाई को बढाना, यीशु मसीह के द्वारा प्राप्त किये गये वचनो को पवित्र आत्मा की अगवाई से सिखाना हैं। और यह पुस्तकें यीशु के स्वर्गारोरण के बाद भ वर्ष के भीतर लिखी गई हैं।

ख) पवित्र शास्त्र को पढें:

सबसे बहुमुल्य संबंध जो आपके जीवन में है वह परमेश्वर के साध हैं। पवित्र शास्त्र के अध्यन से आप परमेश्वर को स□झ पायेंगे। उसके विचार, उसकी योजनाएँ और उसके वयिदें।

अपने बाईबल से परिचित होने के लिये आरंभ में दिए हुए सूचीपत्र को देखकर , आप जिस पुस्तक और पुष्ट को देख सकते हैं जिसे आप पढ़ना चाहते हैं। आपकी सहायता के लिये अनुवादकों नें पवित्र शास्त्र को इस प्रकार से विभाजन किया है।

- **पुस्तकें**
- **अध्याय पुस्तक के भीतर**

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

➢ **वचन अध्याय के भीतर**

उदाहरण के लिये यदि आप –<u>"उत्पŽि प:क्ष"</u> ढूँढूना चाहते हैं उसका अर्थ हैं – उत्पŽि का पुस्तक प अध्याय और क्ष्वां वचन। हम पवित्र शास्त्र खोजने का प्रयत्न करें, जो फलदायक हैं जब हम पढते हैं और समझते हैं परमेश्वर हमको €या बताते हैं और हमारे जीवन को वचन कि सच्चाई के आधार पर मार्गदशन देते हैं।

ग) परमेश्वर का सबसे बड़ा वायदा :

पवित्र शास्त्र में संसार का सबसे बड़ा वायदे हैं "€योकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो परन्तु अनंत जीवन पाये।"

<u>युहन्ना प:क्म</u>

आप इस वचन से परिचित होंगे लेकिन एक क्षम के लिये शांत हो जायें और परमेश्वर को धन्यवाद करें उसके महान प्यार के लिए जिससे उसने अपना एकलौते पुत्र को दान दिया अनंत जीवन के साथ। जो यीशु मसीह पर विश्वास करता हैं और अंगीकार करता हैं उसको अनत जीवन का वायदा मिलता हैं।

घ) परमेश्वर के वचन का उद्धेश्य

<u>ख तीमुथीयुस प:क्ष–क्त्र</u> को मनन करे परमेश्वर के उद्धेश्य को खोजें

क. हमें बुद्धिमान बना सकता हैं।

ख. उपयोगी हैं

ख्पतरस क:प–ब में यीस्वरीय सामथई

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

ङ) **परमेश्वर का वचन जीवन देता है**

यूहन्ना ᛘ:ᛘᛘ जो बाते मैने तुम से कही है वह आत्मा है और जीवन भी हैं।

वह सृष्टिकर्ता हैं

भजन संहिता फ्फ:ᛘ,– आकाशमण्डल .... से बने।

पढे इब्रानिया क्क:फ विश्वास ही से वचन के द्वारा हुई है

च) **परमेश्वर का वचन जल के समान हैं**

➢ वह शुद्ध करता हैं

हमारा जीवन स्वर्ग के राज्य में पूर्ण रूप में शुद्ध होकर–परमेश्वर के वचन द्वारा धोकर शुद्धता से आरंभ होता हैं।

देखे यूहन्ना क्भ:फ और इफिसियो ᛒ:ख्भ–ख्त्र इफिसियो ᛒ का ख्- वां वचन कहता हैं कि वचन के द्वारा जल के स्नान ....निर्दोष हो।

➢ **वह हमें शुद्ध रखता हैं**

जब परमेश्वर का वचन अपने ह्दय में रखते हैं तब वह हमें पाप से अशुद्ध होने से बचाता हैं और हमें पापों से स्वतंत्र करता हैं।

पढे भजन संहिता क्क–:–,क्क तेरे वचन के अनुसार सावधान रहने से

छ) **परमेश्वर का वचन जीवन की ज्योति हैं**

ख्पतरस क:क- "हमारे पास जो भविष्य द्व€ताओ का वचन है, वह इस घटना से दृढ़ ठहरा। तुम यह अच्छा करते हो, जो यह समझकर उस पर ध्यान करते हो कि वह एक दिया हैं, जो अंधियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

रहता है जव तक कि पौह न फटे और भोर का तारा तु□हारे "ह्दययों में न चमक उठे।"

➢ वह अंधकार भरी दुनियाँ में समझ देता हैं।

भजन संहित क–:त्त यहोवा का ..... ज्योति ले आती हैं।

भजन संहित क्क–:क्ष, क्प तेरा वचन ..... उजियाला हैं। तेरी बातों..... समझ प्राप्त करते हैं।

ज) परमेश्वर का वचन आत्मिक भोजन हैं:

यीशुने उŽार दिया : लिखा है मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, जीवित रहेगा। मती ब:ब

➢ वह आत्मिक विकास करती हैं

क्पतरस ख:ख नये जन्मे हुए बच्चों.....

इफिसियो ब:क्ख–क्ष में परमेश्वर का आग्रह हम सब के लिये लिखा है

झ) परमेश्वर का वचन बीज है :

लुका त्त:क्क–क्ष में यीशु ने अपने शिष्यों को बीज बोनेवाले का द्रष्टांत बताया हैं। क्क्वें वचन में यीशु अपने शिष्यों को बीज से तुलना करके बताता हैं। परमेश्वर की इच्छा हमारे जीवन में फलदायक होना हैं (भजन क:प)। यदि परमेश्वर के वचन का बीज हमारे ह्दय की अच्धी भूमि में बोया जाए तब वह अच्छी फसल लायेगी। देखें ख्करिन्धियो –:क

ञ) परमेश्वर का वचन का वचन तलवार है

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

"और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो। इफिसियों म्:क्त्र

इब्रानियो ब्:क्ख ध्यान दे किस प्रार युशुने तलवार का उपयोग किया जंगल की परिक्षा में। लुका ब्:क्-क्ब

ट) परमेश्वर का वचन हमें प्रार्थना करने के लिये सहायता करता है

युहन्ना क्भ्:स्त्रवें वचन में "यदि तुम मुझ में बने रहो............. तु□हारे लिये हो जायेगा हमे आवश्यकता है कि हम परमेश्वर के वचन को अपने ह्दय में रखे ताकि हम समझ सकें। कि प्रकार मांगे उसकी इच्छा से।" "तुम जो चाहे मांगो" का वास्तिविक अर्थ हैं, मांगो उस अधिकार से €योकि हम उसकी संतान हैं।

ठ) परमेश्वर का वचन हम में बलवन्त करता हैं

परमेश्वर का वचन हमारा निमार्ण करता हैं - हमें सही नींव देता हैं जिससे हम अपना जीवन बना सके।

पढे मŽी स्त्र:ख्ब-ख्भ्

परमेश्वर का वचन हमारे जीवन के भीतर बलवन्त करता है, ताकि हर परिस्थिति में हम बलवन्त खड़े रहे।

अधिन्यास ASSIGNMENT

- €या आपने गंभीर रूप से सोचा है, परमेश्वर का वचन किस प्रकार हमें आकर्षित करता हैं और मार्गदर्शन करता हैं, यदि आप सच्चाई से समय निकालते हैं सीखने के लिये मनन करने के लिये और अपने जीवन में उसे भर देने के लिये/इसलिये प्रार्थना पूर्वक एक योजना बनाए किस प्रकार दिन

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

को संघटित कर सकते हैं। बाईबल अध्यन के लिये जो आपके विश्वास जीवन के लिये अच्छी नींव डाल पायेगी

- एक पुस्तक में आप जो सच्चाई को समझते है और जो विचार परमेश्वर देता हैं शांत समय में उसे लिखें। वचन को धीरे-धीरे याद करें और उसके अनुसार चलें।

कण्डस्थ वचन	-	ख्तीमुथियुस फ:क्म-क्त्र
MEMORY VERSE		भजन संहिता क्क-:क्भ
		इब्रानियाँ ब:क्ख

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – ख

परमेश्वर

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ –ख

परमेश्वर

परमेश्वर हमारे लिये बड़कर है कि हम हमारे सामान्य मानव बुद्धि से उन्हे समझ पायें। उनका कोई आरंभ और अंत नही। वह अनन्त हैं। ऐसा कोई भी स्थान नही जहाँ उनकी उपस्थिति का एहसास नहीं होता।

पढ़े अय्यूब क्क:ख्र और लिखे वो €या परमेश्वर के बारे में बताता हैं। यशायाह म्म्:क् और भजन संहिता ब्त्र:त् पढ़े और देखे कहाँ परमेश्वर वास करता हैं और राज करता हैं।

हमे उत्तेजित नही होना यदि हमे समझ न आये परमेश्वर कौन है और €यो कई बाते करता हैं जैसे क्कुरिन्थियों क्फ:क्ख् कहता हैं सब कुछ परमेश्वर और उसके स्वभाव के बारे में एक दिन स्पष्ट हो जायेगा। तब तक हम उसे उतना ही जान पायेंगे जितना परमेश्वर का वचन प्रकर करता हैं।

अब हम परमेश्वर के विशेष सच्चाईयाँ और उसके कभी ना बदलते वाले स्वभाव को देखेंगे, वह कैसे है और कैसे हमारी देखभाल करते हैं।

क) परमेश्वर कैसा है?

परमेश्वर सभी का सृष्टिकर्ता हैं

पढ़े नेमियाह –:म् यह वचन €या बताता है परमेश्वर के बारे में।

भजन संहिता क्फ–:क्फ,क्ब पढ़े और समझने के बाद कुछ क्षण परमेश्वर की स्तुति करें। हम समझते है कि परमेश्वर सभी का प्रवर्तक है। उसने हमारी सृष्टि की और सब कुछ जो हमारे आसपास है और सारी दुनियाँ जो हमारी शरीरिक आँखो से नहीं देख सकते।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

**ख.	परमेश्वर सर्वशक्तिमान है**

a)	रोमियो –:क––ख्र

b)	<u>इतिहास ख–:क्क</u> कहता है परमेश्वर सबसे बढकर हैं।

c)	इफिसियो फ:ख हमारे परमेश्वर की महानता की कलपना करें।

**फ.	परमेश्वर सर्वज्ञानी है**

इब्रानियाँ ब:क्फ पढ़े और लिखे वह €या कहता है परमेश्वर के बारे में।

यूहन्ना फ:ख कहता है €योकि परमेश्वर हमारे मन से बड़ा है और सब कुछ जानता हैं।

**ब.	परमेश्वर पवित्र हैं**

क्शमूएल खःख में हम पढ़ते है परमेश्वर के तुल्य कोई पवित्र नहीं, €योकि तुझको छोड़ कोई और है ही नही।

**भ.	परमेश्वर आत्मा है**

उदाहरण के लिये यहून्ना ब:ख्ब "परमेश्वर आत्मा है, और अवश्य है कि उसकी अराधना करने वाले आत्मा और सच्चाई से अराधना कर।

**म.	परमेश्वर एक व्यक्ति है जिसे आप जान सकते हैं**

याकूब ब:त्त €या कहता है

भजन संहिता क्ब्भ:क्त जितने यहोवा को पुकारते है, अर्थात् जितने उसको सच्चाई से पुकारते है, उन सभी के वह निकट रहता है। हम उनके साथ एक व्यक्तिगत संबंध बना सकते है।

**त्र.	परमेश्वर प्यार करने वाला पिता है**

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

यूहन्ना फ:क कहता है कितना महान है परमेश्वर का प्यार हमसे, उसके बच्चो से इस वचन को लिखे। पढे क्फ:क्फ भजन संहिता

ख) परमेश्वर कितना महान है जो मंदिर में हर पाये

हमें यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए, परमेश्वर मनुष्य के द्वारा बनाये गये मंदिर में वास नही करता वह एक स्थान में सीमित नही हो सकता। वह सर्वव्यापी हैं किसी भी समय में। देखे लूका क्त्र:ख्ब,ख्भ,ख्ट €योंकि हम उसी में जीवित रहते हैं और चलते फिरते और स्थिर रहते हैं।

ग) किस प्रकार से हमें परमेश्वर को प्रतिक्रिया देना है

क. हमारी सृष्टि परमेश्वर के द्वारा हुई (भजन संहिता क्फ–:क्ब–क्म) कितनी आश्चर्यजनक है हमारी सृष्टि।

ख. हम, परमेश्वर के निजी है, हम हमारे स्वामी नहीं।

फ. हम परमेश्वर की अराधना के लिये बुलाये गये। प्रकाशितवा€य ब:क हम केवल हमारी अराधना संमर्पित कर सकते हैं इस महान परमेश्वर को हमे एक निर्णय लेना होगा जैसे यीशू ने मžाी ख्ब:फत्र में कहा।

पवित्र शास्त्र का परमेश्वर एक सच्चा और जीवित परमेश्वर है, जो हमारी श्रद्धा के योग्य हैं।

जिस प्रकार यहोशु ने अपना निवेदन इस्राएयली देश के सामने रखा, तो आज चुन लो कि तुम किस की सेवा करोगे..... परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा है कि सेवा नित करूँगा (यहोशु ख्ब:क्भ) आपको भी आज निर्णय लेने के लिए पूर्ण संमर्पण करने के लिये या ना करने के लिए।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

यदि आप ह्दय से निर्णय ले चुके हैं तो सच्ची प्रार्थना करे "प्रभु, आज मैं मेरी अराधना आपको देता हूँ, जो एक ही सच्चा परमेश्वर है स्वर्ग और पृथ्वी का और मैं, मेरी इच्छा, मेरा जीवन, मेरी स□पति नही पूजूँगा। मेरी अराधना केवल आपके लिये है मुझे बलवन्त कर ताकि मैं इस सच्चाई को दूसरो तक पहुँचा सकूँ।

अधिन्यास ASSIGNMENT

क. €या आपने परमेश्वर की एक और अधिक विशेषताओ का एहसास किया हैं ? यदि हाँ तो समझाईए।

ख. शांत समय में परमेश्वर की स्तुति और अराधना के समय ले, इस अध्यन से समझते हुए वह कौन हैं।

कण्डस्थ वचन –	याकूब क:क्त्र
MEMORY VERSE	इब्रानियाँ ब:क्फ
	यूहन्ना ब:ख्ख

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – फ

मनुष्य का पतन

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ–प

मनुष्य का पतन

क) मनुष्य की सृष्टि

हमने सीखा कि परमेश्वर संपूर्ण सृष्टि का परमेश्वर है। सृष्टि का मुकुट मनुष्य हैं। परमेश्वर का एक वासत्विक कारण था मनुष्य (नर और नारी) की सृष्यि में। परमेश्वर का उनके लिये एक महान उदेश्य था €योंकि परमेश्वर प्यारा हैं, उनको इच्छा थी कि जीवधारी उनके स्वरूप, मन और ह्दय वाले हो जिनके साथ वह जीवन को बाँट सके। सब कुछ जो वो हैं, और सब में जिसमें वो शामिल हो..... जो स्वर्ग और पृथ्वी पर राज करे उसके साथ वारिस के समान। परमेश्वर ने मनुथ्य को अपने ही स्वरूप में बनाया।

पढ़े सृष्टि के विवरण में मनुष्य की उत्पति को उत्पŸिा क:ख, ख्त्र फिर परमेश्वर ने कहा, "हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी सामानताएँ में बनाएं।

ख) शैतान

परमेश्वर ने कई आश्चर्यजनक वस्तुओं को बनाया स्वर्ग और पृथ्वी की रचना के पूर्व। उनमें दूत और आत्माए भी थे, जो परमेश्वर के उदेश्य को पूर्ण करते थे।

पढ़े और लिखे €या दूत करते हैं प्रकाशितवा€य भ:क्व–क्ब में लेकिन, लूसीफर, एक प्रधान दूत, ने परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह किया वह परमेश्वर के सिहांसन के उपर होना चाहता था। जब लूसीफर ने विद्रोह किया, तब परमेश्वर ने उसे स्वर्ग से निकाल दिया। एक तिहाई और दूतों ने उससे विद्रोह किया, और उसने उन्हे भी निकाल दिया लूसीफर के साथ (प्रकाशितवा€य क्ख:ब)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पवित्र शास्त्र में लूसीफर का विद्रोह और उसके परिणाम के बारे में लिखा हैं यशायाह क्ब:क्ख्-क्ब, यहेजकेल ख्ट:क्क-क्त्र लूसीफर धरती पर गिरा और वही 'शैतान' हैं। वह और उसके दूत महिमा को गवा दिये और दृष्टात्माएँ बन गये, परमेश्वर के नये सृष्टि किये गये संसार में। लेकिन शैतान की बुरी कामनाएं नहीं बदली, और उसने योजनाएँ बनाई अन्याय करके परमेश्वर के सिंहासन को पाने की.......... और वह मनुष्य के पास गया जिसे परमेश्वर ने सृजा था।

ग) परीक्षा

परमेश्वर ने पहले नर और नारी (आदम और हव्वा) को सारी सृष्टि के ऊपर अधिकार दिया और कहा कि परमेश्वर के प्रभुत्व में रखें। उन्हे अदन कि वाटिका में रखा ताकि वह उसे स□भाल सके और उनसे आनंद ले सकें। परमेश्वर ने अदन की वाटिका में दो वृक्षों को लगाये। उनका नाम बतायें (उत्पZि -)। पढ़े उत्पZि ख्:क्भ्-क्त्र परमेश्वर ने विशष्ट रूप से कहा था कि उस वृक्ष के फल को मत खाना।

लेकिन शैतान ने हव्वा को धोखा दिया। उसने स्त्री से कहा कि, ज्ञान का वृक्ष जिससे भले बुरे का ज्ञान मिलता हैं वह गंदा नहीं, लेकिन उससे वो भी परमेश्वर के समान हो जायेगे। हव्वा ने विश्वास किया आऐर उस फल को खा लिया। आदम जानता था यह झूठ है और प्रेरणा से उसने खाया (क्तीमुथियुस ख्:क्ब) पढ़े उत्पति प्:क्- और संक्षिप्त में बताए आदम और हवा के पाप में गिरने का वर्णन/घटना।

ड़) परिणाम

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

यद्यापि, जब इस पाप को देखेगे तो सामान्य प्रवर्ती थी जिससे उन्होने उस फल को खा लिया उसका परिणाम सामान्य से बढकर गंभीर था उस एक पाप के कार्य से मनुष्य ने महिमा और परमेश्वर के स्वरूप और सृष्टि पर अधिकार गवा दिया। शैतान धीरे से राह में आकर नियंत्रण करने लगा और अपना अधिकार पृथ्वी पर जताने लगा और मृत्यु संसार में फैल गया।

देखे इब्रानियाँ ख:क्ब-क्भ आदम का एक पाप सारे संसार में फैल गया, उसका परिणाम लिखे (रोमियो भ:क्ख)

आदम और हव्वा के बाद जितनी पीढियाँ अनुकरण कि उन सब में पाप का स्वभाव था। सब शैतान के सामर्थ और अधिकार के अधीन आ गये।

पवित्र शास्त्र

इफिसियो ख:क-प में पढंते है : पहले आप मरे हुए थे, €योंकि आपने पाप किया और परमेश्वर के विरूद्ध लड़े। आप दुनियाँ की राह का अनुकरण किया और शैतान की आज्ञा मानते थे। वह संसार पर राज करता है और उसकी आत्मा को शि€त हैं सब पर जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करते। पहले हम भी शरीर और मन से स्वय की इच्छाओं के नियंत्रण में थे। हमने परमेश्वर को क्रोधित किया और हम भी सब के समान दण्ड प्राप्त करेगें।

a) मृत्यु को किसका परिणाम बताया गया हैं ?

b) जब कोई पाप में जीता हैं और दुनियाँ की राह पर चलता है तब तक वह किसके अधीन होता हैं ?

c) शैतान किस पर राज करता हैं ?

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

d) कोप का लक्ष्य किसके बारे में बताता हैं ?

मनुष्य का ह्दय हर जगह भरा हुआ हैं।

क. मूर्ती पूजा से : पढे रोमीयो क–ख्क–ख्फ

ख. व्यभिचार से : रोमियो क:ख्ब–ख्त्र आप अब समझोगे किस प्रकार प्राकृतिक विकृति संसार में आई।

फ. सब प्रकार के अधर्म: पढ़े रोमीयो क:ख्ज्–फ्ष्ठ उन्होने परमेश्वर का ज्ञान रखने को मूल्य ना समझा। ऐसे मन वालो का परिणान लिखे यद्यापि वह अच्झी तरह जानते थे जो ऐसे कायई करते हैं वह मृत्यु के योग्य हैं वह उन बातों पर लगे रहैं और दूसरो को भी वैसा करने के लिये प्रोत्साहित किया।

च) परमेश्वर की महान योजना पुनः प्रतिष्ठित करने के लिये

अब €या है परमेश्वर की प्रतिक्रिया ऐसे परिस्थिति के लिये €या उसने छोड़ दिया हैं, हमारे पापो के कारण। नहीं, बदले में उसने एक योजना बनाई हैं, एक महान योजना मनुष्य को बचाने के लिये, शैतान की शर्€त से और पुनः प्रतिष्ठित करके उसके मूल योजना में आने के लिये जिसमें हम परमेश्वर की संतान बने और उसके सिंहासन का हिस्सा बन जायें।

परमेश्वर ने संसार को उद्धारकर्ता यीशु मसीह के आगमन के लिये तैयार किया।

पढें परमेश्वर की योजना मनुष्य को पुनः प्रतिष्टित करना यीशु मसीह के द्वारा क्कुरिन्थियो क्भ्:क्ष्ठ और जैसे आदम में सब मरते हैं वैसे ही मसीह में सब जिलाए जाएँगे। और यह सूसमाचार है और यही नया नियम बताता हैं यीशु मसीह की कहानी, जो हमें पापों से बचाने के लिए आयेगा।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

अधिन्यास/ ASSIGNMENT

क. एक पाप, पतन से संवंधित अधन की वाटिका में पहचाने और उसके संबद्धता हमारे साथ जो आज भी हैं। उसके बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखें।

ख. जैसे आपने भृष्ट मन के परिणान पर ध्यान दिया, समय ले फिर से उस सूची से जाने के लिये और देखे क्या अभी कोई बात है जो आपके जीवन को प्रभावित करती हैं। उसे पहचाने, पाप स्वीकार करे परमेश्वर से उनकी क्षमा और शृद्धिकरण माँगे जब अपना पूर्ण जीवन समर्पित करते हैं, सही जीवन के लिये यीशु मसीह में।

कण्डस्थ वचन – यूहन्ना ख:क्त्र

MEMORY VERSE क्कुरिन्थियो क्ष:क्ख

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – ब

यीशु मसीह

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ – ७

यीशु मसीह

क) यीशु – परमेश्वर का पुत्र

दो हजार साल पहले, एक व्यकित प्रकट हुआ इतिहास के दृश्य में। वह संसार में जन्म लिया और साधारण व्यf€त के रूप में बड़ा हुआ, पर यह दूसरे व्यf€तओ से जो उसके पहले थे, और बाद में भिन्न था। वह साधारण व्यf€त नहीं था– वह यीशु मसीह था। आपने किस प्रकार यीशु मसीह के व्यf€तत्व को समझा ? वह आपके लिए कौन हैं ?

पढ़े लूका क:ख–फ यीशु मसीह के जन्न का वर्णन वचन फ– स्वर्गदूत ने उसको उŽार दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा और परमप्रधान की सामर्थ तुझ पर छाया करेगी, इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होने वाला हैं, परमेश्वर का पुत्र कहलयेगा। यूहन्ना क:क, क७ पढ़े।

ख) यीशु एक विशिष्ट उदेश्य से संसार में आये

क. मानव को शैतान की शf€त से बचाने के लिये

जैसे हमने पिछले पाठ में देखा अदन में पतन के बाद संसार शैतान के राज्य में आ गया। यीशु मसीह हमे शैतान के राज्य से बचाने के लिए आए। पढ़े कुलुस्सियो क:क्फ और समझे किस उदेश्य यीशु मसीह संसार में आए थे।

अब लूका क–:क पढ़े €योकि परमेश्वर का पुत्र खोये हुओ को ढूँढने और उनका उदार करने आया हैं। यह है यीशु मसीह का उदार। जीवन लक्ष्य का कथन।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

ख. उसका जीवन रक्षा शुल्क के तौर पर देने के लिये और हमे वापस मोल लेने के लिये।

रक्षा शुल्क भुगतान है किसी वस्तु को वापस मोल लेने के लिये। यीशु ने अपना जीवन हमें वापस अंधकार के राज्य से मोल लेने के लिये जीवन दिया। पढ़े मती ख:ख्त और वचन को लिखे।

फ. हमारे जीवन में शैतान के कार्यो को नाश करने के लिए

अब पढ़ें यूहन्ना फ:त्त आज्ञा उल्लंगन संसार में पाप लाया उसके परिणान कई थे। पाप कई प्रकार से प्रकट होता है। शैतान के और से है, €योकि शैतान के कार्यो से लोगों के जीवन में। जो कोई पाप करता हैं वो शैतान की और से हैं €योकि शैतान आरंभ से ही पाप करता आया हैं। परमेश्वर का पुत्र इसलिये प्रगट हुआ कि शैतान के कामों को नाश करे।

ब. हमें अनन्त जीवन देने के लिए

हम में से कई यूहन्ना फ:क्म से परिचित हैं। यदि आप अपने याद से उसे लिख सकते है तो लिखे यूहन्ना क:क पढ़े, यूहन्ना भ:क्क,क्ख

भ. हमें परमेश्वर के परिवार में नया जन्म देने के लिए

यहून्ना क:क्ख-क्फ परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हे परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हे जो उसके नाम पर विश्वास रखते है वह ना तो लहू से, न शरीर की इच्छा न मनुष्य की इच्छा से परन्तु परमेश्वर से उत्पन हुए हैं देखे क यूहन्ना फ:क,ख

म. परमेश्वर के साथ हमारी संगति को वापस बनाने के लिये

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

जब हम सृष्टि का वर्णन पढते हैं, हम देखते है, आदम और हव्वा परमेश्वर के साथ दिन के ठंडे समय में वाटिका में चली (उत्पत्ति ३:८) - वह उसके साथ संगति रखते थे। जब मनुष्य परमेश्वर के स्थान में गिरा तब उसने संगति गवा दी।

१ यूहन्ना १:७ में यीशु मसीह हमें वापस परमेश्वर पिता के साथ संगति कराने के लिये आये थे।

ग) यीशुआये थे हमें दिखाने के लिय परमेश्वर कैसे हैं।

किसी ने भी परमेश्वर को नहीं देखा। पर हम समझ सकते है वह कौन है और किस प्रकार का है, यीशु उसके पुत्र द्वारा। यीशु ने स्पष्ट से उसके बारे में बताया हैं। यूहन्ना १४:९-१० में। यीशुका जीवन और कार्य स्पष्ट प्रकटीकरण था परमेश्वर कौन हैं। वह अपने पिता की और से बोले। १०वें वचन में उन्होन कहा मेरा विश्वास करो कि पिता मे हूँ और पिता मुझ में है नही तो कामो के कारण मेरा विश्वास करो यीशु ने दिखाया हमारे स्वर्गीय पिता किस प्रकार के है। देखे यूहन्ना १:१८

क. उन्होने परमेश्वर के प्यार को दिखाया १ यूहन्ना ४:९,१० पढ़े और लिखे किस प्रकार परमेश्वर ने हमसे प्यार प्रकट किया रोमियो ५:८ पढे।

ख. उन्होने परमेश्वर के सामर्थ को दिखाया। यीशु मसीह ने परमेश्वर का सामर्थ कई पूप से दिखाया।

a) उन्होने बीमार, लंगड़ो और अंधो को चंगा किया। इस प्रकार कहा गया है कि यीशु ने हर प्रकार के रोगो को चंगा किया। मती ४:२३ पढ़े यहाँ दी गई रोगो को लिखे। यूहन्ना ११:१-४४ यीशु ने.....

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

b) उन्होने दृष्टात्माओं को निकाला। यीश के दृष्टात्माओं को निकालने की सेवकाई को पढ़े। मरकुस क:फ– मरकूस भ:क–क्स्त्र

c) उन्होने चमत्कार किये

यीशु चमत्कार की सूची लिखें नि□न वचनो से

(क) यूहन्ना ख:क–क्क (ख) लूका भ:क–स्त्र

(फ) यूहन्ना म:क–ख्क (ब) मरकुस ब:फस्त्र–ब्क

(भ) मरकुस क्क:क्ख–क्ब, ख–ख्क

d) उन्होने मुर्दों को जलाया

यीशु की लासरस को मृतकों मे से जिलाने का वर्णन पढ़े। यूहन्ना क्क:क्स्त्र–ब्ब

यहाँ कुछ उदाहरण है यीशुका लोगो को मृतकों में से जिलाने का

- लूका त्त:ब–ब्ख, ब––भ

- लूका स्त्र:क्क–क्स्त्र

ड़) यीशुने हमारे कलेशो को उनके जीवन में सहा

यीशुने संसार के जीवन के दौरान हर प्रकार के कलेशों का सामना किया, इसलिये वो जानते है हमे कैसा अनुभव होता हैं देखे इब्रानियों ब:क्भ

प्रलोभन और परीक्षा का सामना करते हुए भी यीशु पाप रहित थे।

मती त्त:क्स्त्र में यशयाह भविष्यदवकता का उदाहरण देख सकते हैं।

च) यीशु क्रसू पर हमारे लिये मरे

दुष्ट लोग यीशुको पकड़वाकर लकड़ी के क्रसू पर कीले ठोककर साधारण अपराधी के समान फाँसी दी। वह स्वंय को बचा सकते थे, लेकिन नही बचाये

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

€योंकि उनके क्रसू पर मृत्यु के परमेश्वर संसार को बचाना चाहते थे। यीशु हमारे लिये मरे। मरकुस क्भ:क--प- पढ़े यशयाह भ्प:भ,म और क्पतरस ख:क्ब-क-

छ) यीशु मृतको में से हमारे लिये जी उठे

कब्र में तीन दिन के बाद परमेश्वर ने अपने पुत्र को जिला दिया। पढ़े मती ख्त यीशु मसीह के पुनरूत्थान का वर्णन। यह भी हमारे लिये था। रोमियो म:ब कहता है "अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गये। ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरो हुओ में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन की सी चाल चले।

इफिसियो ख:ख-म में हम देखते हैं प लाभ जो यीशु मसीह के पुनरूत्थान से विश्वासी को हुआ हैं।

ज) यीशुने स्वर्ग का द्वार हमारे लिये खोल दिया

जब यीशुका संसार का कार्य समाप्त हुआ। वह स्वर्ग चले गये पिता परमेश्वर के साथ रहने के लिये और यह भी हमारे लिये था। उन्होने परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करने का राह खोल दिया, जहाँ हम सर्वदा के लिये वास कर सके।

यूहन्ना क्ब:क-प पढ़े। अनंतकाल में, यीशु चाहता है कि हम उसके साथ सदा वास करे। पढ़े इब्रानियो क:क--ख्ख

प्रार्थना

"प्रभु यीशु मैं स्वीकार करता हूँ, आप परमेश्वर के पुत्र हैं और आप आये मेरे महŏाव आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए जो उदार कर्ता है। मेरी सहायता करे कि मैं दूसरो को बता सकूँ कि आप संसार में उनके लिये आये हैं" आमीन।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

अधिन्यास

क. हमें परमेश्वर ने गोद लिया स्वंय के परिवर में यीशु मसीह के द्वारा उस पर मनन करे और अपने पुन: परमेश्वर को समर्पित करे।

ख. यीशु ने हमें परमेश्वर का प्यार दिखाया। उसके बारे में सोचें और सूची बनाये कि किस प्रकार हम परमेश्वर को बदले में दे सकते हैं और दूसरे को भी।

फ. किस प्रकार यीशु ने हमारी संगति परमेश्वर पिता के साथ बनाई अपने मृत्यु के द्वारा (उŠार दे वचनो के द्वारा) €या आप प्रतिदिन उसकी संगति का आनंद लेते हैं ? यदि आपका अभी भी परमेश्वर पिता के साथ शांत समय संगति नही हैं तो अपना जीवन समर्पित करे और उसके आधार पर चले।

कण्डस्थ वचन	–	कलुस्सियो क:क्फ
MEMORY VERSE		यूहन्ना क:क्ख
		रोमियो भ:त्त

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – ४

क्रूस

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ–५

क्रूस

यीशु मसीह के क्रसू के बारे अच्छी समझ हमारे विश्वास जीवन में लाभदायक होगी। कई लोगो के लिये यह एक प्रतीक है और अन्य के लिये आभूषण है, लेकिन यीशू मसीह का क्रूस €या समझाता हैं एक विश्वासी को? जब यीशु मसीह को कीलों से ठोककर लकड़ी के क्रूस पर चढ़ाया गया, दुष्ट लोगो ने सोचा वह एक ऐसे व्यf€त को फाँसी लगा रहे हैं जो उनके जीवन को प्रेशान कर रहा हैं। उनको स्पष्ट अनुभव नहीं था कि क्रूस परमेश्वर की योजना थी संसार के आरंभ से।

क) परमेश्वर सारे पापों का समाधान करता हैं

आदम और हव्वा की आज्ञा के उल्लघन के द्वारा जो पाप संसार में फैल गया उसका समाधना होना था। परमेश्वर का समाधान इस समस्या के लिये क्रूस था क्रूस उसके क्रूस पुत्र के बलिदान द्वारा सष्टिकर्ता परमेश्वर मनुष्य के पापों, कष्टों और दुखों का सौदा कर रहा था। यीशु मसीह प्रत्येक व्यf€त के लिये मर रहे थे। उन्होने क्रूस पर जो किया उसे व्यf€गत रूप से ग्रहण करने से हमारी सब आवश्यकता का उŽार मिलता हैं।

क. परमेश्वर सामर्थ प्रकट करता है क्रूस के द्वारा

क्कुरिन्थियो क:क्त "€योकि क्रूस की कथा नाश होने वालो के लिये मूर्खता है, परन्तु हम उदार पाने वालो के लिये परमेश्वर की सामर्थ है रोमियो क:क्- लिखे क्रूस परमेश्वर का सामर्थ है हमारे उदार के लिये।

ख परमेश्वर प्यार को दिखाता हैं क्रूस पर

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

क्रूस वास्तव में प्रमाण हैं, परमेश्वर के प्यार का हमारे लिये। वह उनका प्यार हैं जो हमारे पास आता है हमे मेल मिलाप करके ले लेने के लिये।

रोमियो ५:८

फ. परमेश्वर ने हमारे दुख को क्रूस पर हटा दिया

जब यीशुक्रूस पर गया तब उसने हमारे रोग और हमारे दुखों को हटा दिया। यशायाह ५३:४ निश्चय उसने हमारे रोगो को सह लिया और हमारे दुखों को उठा लिया तो भी हमने उसे परमेश्वर को मारा कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा।

ब. यीशुने हमारे पापो के लिये दण्ड क्रूस पर सह लिया

देखे यशायाह ५३:५,६

a) यीशु हमारे अपराधो के लिये घायल हुआ।

b) हमारे अधर्म के कामों के लिये कुचला गया।

c) हमारी ही शांती के लिये उसे ताड़ना पड़ी।

d) उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गये।

e) यहोवा ने हम सभी के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।

ख) परमेश्वर के साथ नया संबंध क्रूस के द्वारा

हम समझते हैं कि परमेश्वर पवित्र और धर्मी हैं और पाप हमें परमेश्वर से अलग करता हैं। ह्दय में पाप के साथ कोई भी उनकी उपस्थिति में खड़ा नही हो सकता। क्रूस पर मरने से यीशु ना केवल हमारे पापो को सहा परन्तु उसने यह संभव कर दिया कि हम परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जान सके उनके प्यार शांती और आनंद का अनुभव कर सके जो उनकी संगति से मिलता है।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

क. हम क्रूस से परमेश्वर के लिये सवीकार्य बने

ख्कुरिन्थियो भ:क्ख पढ़े। क्रूस हमें परमेश्वर से वापस मेल मिलाप कराता है धर्मी के समान।

ख हमें क्रूस के द्वारा क्षमा मिलती हैं

कुलुस्सियो क:क्फ–क्ब "उसी ने हमें अंधकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया। जिस में हमें छुटकारा अर्थात पापो की क्षमा प्राप्त होती। पढ़े क्यूहन्ना ख:क,ख

फ. क्रूस में हम परमेश्वर के परिवार का अंग बनते हैं।

€योकि पवित्र करने वाला और जो पवित्र किये जाते है, सब एक ही मूल से हैं, इसी कारण वह उन्हे भाई कहने से नही लजाता। वह कहता है "मैं तेरा नाम अपने भाईयों को सुनाऊँगा सभा के बीच तेरा भजन गाऊँगा। ईब्रानिय ख:क्क,क्ख पढ़े। यूहन्ना क:क्ख में €या विशेषाधिकार हैं परमेश्वर के बड़े परिवार का अंग होना।

ब. क्रूस के द्वारा जातीय बाधाए टूट जाती हैं।

इफिसियो ख:क्फ हमें यह विश्वास दिलाता हैं कि हम मसीह में एक है कोई रंग जाति राष्ट्रवादी बाधाएं नही हैं जो मसीह में हैं।

a) पर अब मसीह यीशु में तुम जो पहले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गये हो

b) €योकि वहीं हमारा मेल हैं

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

c) जिसने दोनो को एक कर लिया और अलग करन वाली दीवार जो बीच में थी ढा दी।

d) और अपने शरीर में बैर अर्थात वह व्यवस्था जिसकी आज्ञाएँ विधियो की रीति पर थी, मिटी दिया कि दोनो से अपने में एक नया मनुष्य उत्पन्न करके मेल कर दे और क्रूस पर बैर को नाश करके इसके द्वारा का देह बनाकर परमेश्वर से मिलाया।

ग) क्रूस के द्वारा स्वतंत्रता

क्रूस पर यीशुका मृत्यु बहुत बड़ा विजय था हमारे लिये। €योकि परमेश्वर ने हमारे पापों के कारण क्रूस पर सह लिया, उसका अर्थ है सारे दुदर्शा और कष्ट सह लिया जिसका परिणाम पाप था। क्रूस ने हमें बड़ी स्पतंत्रता दी हैं।

क. शैतान से छुटकारा

कुलुस्सियोख:क्ष "और उसने प्रधानताओ और अधिकारों को ऊपर से उतारकर उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया आऐर क्रूस के द्वारा उन पर जय जयकार की ध्वनि सुनाई" देखे कुलुस्सियो क:क्फ अंधकार के वश से छुटकारा।

ख. पापों से छुटकारा

देखे यूहन्ना त:फ्म "इसलिये यदि पुत्र तु□हे स्वतंत्र करे तो सचमुच तुम स्वंतत्र हो जाओगे।" अब कुलुस्स्यो ख:क्फ–क्ब देखे मसीह में आपको क्षमा परमेश्वर ने आपसे आपके पापो के लिये कैसा व्यवहार किया हैं।

फ. वर्तमान पाप से छुटकारा

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

रोमियो म्:क्ब तब तुम पर पाप की प्रभुता ना होगी €योकि तुम व्यवस्था के अधीन नही वरन अनुग्रह के अधीन हो पाप का डंक हमारे जीवन से टूट गया हैं। अब वह आप पर कभी राज ना करेगा।

ब. बिमारीयों से छुटकारा

मŽी त्:क्त्र "ताकि जो वचन यशायाह भविष्यद्ववक्ता के द्वारा कहा गया वह पूरा हो: उसने आप हमारे दुर्बलताओ को ले लिया और हमारी बिमारीयो को उठा लिया।"

भ्. श्राप से छुटकारा

जब हम व्यवस्था विवरण ख्त्:क्भ्–म्त पढ़ते हैं उस श्राप की घोषणा की जाती थी, जो व्यवस्था को स्वीकार ना करे, लेकिन हम गलतियो प्:क्प् पढ़ते है "मसीह ने जो हमारे लिये शापित बना, हमे मोल लेकर व्यवस्था के शाप से छुड़ाया €योकि लिखा है जो कोई काट पर लटकाया जाये वह शापित हैं।

म्. निर्णयन/न्याय से छुटकारा

अब हम परमेश्वर के न्याय के अधीन नहीं €योंकि जो न्याय हमारे पास आना था वह मसीह ने लिया। इब्रानियाँ –:ख्–ख्त्र

त्र. अनंत मृत्यु से छुटकारा

यूहन्ना प्:क्म् हमें अनंत मृत्यु से बचाकर अनंत जीवन दिया। €या आप अपने यादाश से इस वचन को लिख सकते हैं।

ड़) प्यार और धार्मि€ता क्रूस पर मिलता हैं।

क्रूस वह स्थान है जहाँ परमेश्वर का प्यार और धीमी का न्याय मिलता हैं। उनके धार्मिक न्यायकरण ने पाप का दण्ड माँगा– लहू का बेहना। उनके प्यार ने

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

उनकी माँग- यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र बलिदान माँगा हमारे बदले <u>रोमियो ५:त्त-क्क</u>

च) क्रूस इतिहास का केन्द्र हैं

यीशु मसीह का क्रूस केन्द्र बिन्दू हैं मानव असितत्व का। उस क्षण से जब पहले नर और नारी ने पापा किया (उत्पŽा प) यह परमेश्वर की पूर्न: योजना थी कि यीशु क्रूस पर मरेगा। उस समय से लोग विश्वास में देखने लगे कि जो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी थी जो वो क्रूस पर मरने वाले थे उनको बचाने के लिये। आज हम पीछे मुड़कर देखते हैं और विश्वास करते है कि यीशु ने जो क्रूस पर किया उससे हम क्षमा और नया जीवन पाते हैं।

मेरी प्रतिक्रिया

मैं चुनता हूँ पूरे विश्वास से जो परमेश्वर ने किया उस पर करूँ जब यीशु मेरे लिये क्रूस पर मरा। मैं विश्वास करता हूँ कि उसने मेरे पापों का अपराध ले लिया, मैं उस पर विश्वास को ग्रहण करता हूँ। जो वो मुझे देता हैं और मैं उसे धन्यावाद करता जो संबंध उसने मुझे अब से दे दिया हैं।

अधिन्यास

क. पीछे मुड़ो और बिन्दूओं में वास करो जहां हम मसीह की भूमिका देखते है एक विश्वासी के जीवन में। हमारे व्य€तत अनुभव और उसका परिणाम जो यीशु मसीह के क्रूस ने हमारे जीवन में किया हैं उसके बारे में लिखो।

ख. निरंतर परमेश्वर का धन्यावाद करों, आपके लिये क्रूस में जाने के लिये और वो €या मान्य रखता हैं आपके जीवन के लिये।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

कण्डस्थ वचन	–	रोमियो क:क्म
MEMORY VERSE		यशायाह भ्फ:ब
		भजनसंहिता म्म:क्त
		कुलुस्सियो ख:क्ब–क्भ
		गलातियो ख:ख

बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – ५

मसीह का लहू

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ –म

मसीह का लहू

यीशु मसीह के क्रूस का अध्यन हमें मसीह के लहू की और ले जाती हैं जो मेरे और आपके लिए क्रूस पर बहाया गया था। क्रूस पर यीशू मसीह का लहू बहना तथ्य था जिससे हम श्रमा प्राप्त कर सके हमारे पापो से और परमेश्वर की उपस्थिति में हमारी स्वीकारिता हो जाये।

क) लहू में जीवन

देखे लेवी क्स्त्र:क्क हम इस वचन से समझते हैं।

क. एक सृष्टि का जीवन.....

ख. लहू दिया गया ताकि.....

फ. लहू है जो हमें.....

जब हम पाप करते हैं तो मृत्यु को प्राप्त करते हैं। रोमियो म:ख्

यीशु ने हमारे लिये दण्ड की मजदूरी दी अपना लहू बहाकर (हमारे लिये हमारे स्थान में मरना) प्रायश्चित का अर्थ हैं। परमेश्वर के साथ एक बनना। वह एक मेल मिलान था परमेश्वर और मनुष्य के बीज, जो मसीह के मृत्यु द्वारा प्राप्त हुआ। यीशुके लहू ने उस मजदूरी का मुल्य हमारे लिये दे दिया ताकि हम उसके पुत्र और पुत्री बन जाये। हम विश्वास के साथ ग्रहण करते है जो उसने हमारे लिये किया।

ख) पाप हमारे जीवन में €या करता है

अब हम परखे पाप हमारे जीवन में €या करता हैं, तब जब हम पाप में लगातार जीते रहते हैं।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

क. परमेश्वर से अलग कर देता हैं।

यशायाह ५९:२ "परन्तु तुम्हारे अधर्म के कामों ने तुमको तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया हैं, और तुम्हारे पापो के कारण उसका मूँह तुम से ऐसा छिपा है कि वह नहीं सुनता" एक चोड़ी घाटी विकसित हुई है परमेश्वर और हमारे बीच जब हमने पाप किया।

परमेश्वर पवित्र हैं और वह पाप को बरदाश नही करता – इसलिये पाप हमें परमेश्वर से अलग कर देता हैं।

ख. हमें दोषी होने का अनुभव देता हैं

भजन ३८:४ "क्योकि मेरे अधर्म के कामों में मेरा सिर डूब गया और वह भारी बोझ के समान मेरे सहने से बाहर हो गये।" दोषी विवेक का भार बहुत कठिन होता हैं बरदाशत करने के लिये। एक व्यक्ति जो पाप में जीवन व्यतीत करता हैं, जानते हुए कि वो गलत हैं वह स्वयं उस दोष के भार को सहता हैं।

ग. शैतान को अनुमति देता है हमे दोषी ठहराने के लिये

प्रकाशितवाक्य १२:१० ..... क्योंकि हमारे भाईयों को दोष लगाने वाला जो रात दिन हमारे परमेश्वर के सामने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया है। शैतान निरन्तर हमारे पाप के बारे में हमें दोषी ठहराता हैं।

घ. मृत्यु की सजी का दावा करता हैं।

यहेजकेल १८:२० ..... इसलिये जो प्राणी पाप करे वही मर जायेगा। जैसे हमने पहले देखा, पाप की मजदूरी तो मृत्यु हैं. यदि पाप का प्रायश्चिद ना हो तो तब वह मृत्यु को लाती हैं।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

परखने के बाद सब कुछ जो पाप हमसे करता हैं, हमें आवश्यकता हैं समझने कि किस प्रकार यीशु का लहू हमारी सब आवश्यकता को पूर्ण करता हैं।

ग) मसीह परमेश्वर के लिये हैं

मसीह का लहू पूर्ण रूप से तृप्त करता हैं परमेश्वर के नियम के माँग को- जो चाहता है दण्ड नियम को तोड़ने के लिये।

देखे क्यूहन्ना फ:ब और लिखे यूहन्ना पाप की परिभाषा यहाँ किस प्रकार से देता हैं। नियम को तोड़ने के दण्ड से लहू हमारी रक्षा करता हैं।

यदि हम निर्गमन क्ख अध्याय को पढ़े हम वहाँ प्रथम फसह के पर्व को देखते हैं जब परमेश्वर ने इस्त्राएलियो को आज्ञा दी कि मेमने का लहू द्वार के चौकट के सिरे पर लगाओ, रक्षा के लिये नाश करने वालो से - जो पहिलौटो को मारेगा। वह मेमना एक चित्र था परमेश्वर के मेमने - यीशु का जो बाद में आने वाला था। निर्गमन क्ख्फ परमेश्वर ने कहा------- मैं उस लहू के देखकर--तुमको छोडाउगां या रक्षा करूगां।

क. सहभगिता का पुनः स्थापित होना

रोमियो भ:त्त-- "परन्तु हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।" अतः जब की हम अब उसके लहू के कारण धर्मी ठहरे तो उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से €यो न बचेगे ?

ख हमें मुक्ति दिया हैं (वापस खरीदे गये है गुलामी से)

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

इफिसियो क:स्त्र "हमको उसमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा अर्थात अपराथों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला हैं"।

यीशु के लहू का भुगतान, रक्षा शुलक के तोर था जिससे हमें पाप की गुलामी से बचाया जा सके। यीशु का मृत्यु - रक्षाशुल्क इसलिये आवश्यक था कि पापियो का पापों से छुटकारा देने के लिये और नियम के श्राप से बचाने के लिये।

लहू मनुष्य के लिये है

लहू हमें परमेश्वर को तुप्त करता हैं, अब हमें तुप्त करने के लिये, हमारे विवेक का शुद्धिकरण अपराध से।

क. लहू हमें अपराध से शुद्ध करता हैं

इब्रानियो -:क्ब "तो मसीह का लहू जिसने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के सामने निर्दोष चढाया, तु□हारे विवेक को मरे हुये कामों से €यो ना शुद्ध करेगा ताकि तुम जीवित परमेश्वर की सेवा करो"।

ख. लहू हमें पवित्र करता हैं

इब्रानियो क्फ:क्ख इसी कारण यीशु ने भी लोगो को अपने लहू के द्वारा पवित्र करने के लिए फाटक के बाहर दुख उठाया।

फ. लहू हमें परमेश्वर के स□मुख लाता हैं और उसके क्रूस पर बहे हुये लहू के द्वारा मेल मिलाप करके सब वस्तुओ का उसी के द्वारा से अपने साथ मेल कर लेता हैं चाहे वो पृथ्वी पर की जो चाहे स्वर्ग में की तुम जो पहले निकाले हुये थे और बुरे कामों के कारण मन से बैरी थे : उसने अब उसकी शरीरिक देह में मृत्यु

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

के द्वारा तु□हारा भी मेल कर लिया ताकि तु□हे अपने स□मुख पवित्र और निष्कलंक और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे कुलुस्सियो क:ख–ख्ख

ब. लहू हमें साहस देता हैं

की हम परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश कर सके । पढ़े इब्रानियों क:क––ख्ख

भ. लहू हमें परमेश्वर की दृष्टि में पूर्ण करता हैं

इब्रानियो क:क्ब "€योकि उसने एक ही चढावे के द्वारा उन्हे जो पवित्र किये जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया हैं। हमें पूर्णता स्वयं से प्राप्त नही करना परमेश्वर को संतुष्ट करने के लिए – वह असंभव हैं। मसीह हमें पूर्ण करता हैं उसके बलिदान द्वारा।

ड़) लहू शैतान के लिये हैं

शैतान का सबसे अधिक चतुराई भरा कार्य आज के युग में है भाईयो पर दोष लगाना (प्रकाशितवा€य क्ख:क) और प्रभु सामना करता हैं उसका, उसके विशेष सेवकाई महायाजक के रूप में उसके लहू द्वारा (इब्रानियो –:क्क–क्ब)

क. लहू परमेश्वर को मनुष्य के और शैतान के खिलाफ करता है। रोमियो त्त:फ्क,फ्फ,फ्ब

शैतान का कोई हक नही हैं दोषारोपण का उनके खिलाफ जिन्होने स्वीकार किया हैं मसीह का लहू बलिदान स्वयं के लिये।

ख. लहू समाप्त करता है शैतान के विधि स□मत अधिकार के स्वामित्व को (कुलुस्सियो क:क्ब) जिसमें हमें छुटकार अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती हैं। विमोचन का अर्थ हैं वापिस खरीद लेना।

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

हम नये स्वामित्व के अधीन है और जो मूल्य हमारे लिये छुकाया गया वो है यीशु मसीह का लहू। (प्ररितों के काम ख:ख) देखें क्कुरिन्थयो म:क–, ख "€या तुम नहीं जानते कि तु हारा देह पवित्र आत्मा का मंदिर है, जो तुम में बसा हुआ है और जो तु हें परमेश्वर की और से मिला है और तुम अपने नहीं हो।"

€योंकि दाम देकर मोल लिये गये हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। क्तीमुथीयुस ख:म

"मु€त" कितना प्यारा है इसे घोषित करन

"मु€त" यीशु के लहे से।

च. मसीह का लहू €या लाया है हमारे लिये

क. हृदय की शुद्धता

मसीह का लहू हमारे हृदय को शुद्ध करता है जब हम विश्वास से उनसे माँगते हैं। क्यूहन्ना क:ख्र "पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चले, तो एक दूसरे से सहभगिता रखते हैं और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। वह योग्य है कि हम सबको पापों से शुद्ध करे।"

ख अनन्त जीवन

देखें यूहन्ना म:भ्फ,भ्ब

फ. परमेश्वर के समीप जाने का अवसर

इफिसियों ख:क्फ पर अब मसीह यीशु तुम जो पहले दूर थे, मसीह यीशु के लहू द्वारा निकट हो गये हो।

प्रार्थना

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

धन्यवाद परमेश्वर जो आपके बहुमूल्य लहू के लिये जो आपने मेरे लिये कलवरी पर बहा दिया – मुझे सहायता करे याद करने के लिये जो वाचा परमेश्वर ने मेरे साथ बाँधी है, मेरे पाप क्षमा होने के लिये, पाप से शुद्ध होने, और शैतान के कार्यों से बचाने के लिये।

<u>अधिन्यास</u>

यदि इस अध्यन का कोई भी भाग आपने आपके प्रायोगिक जीवन में नहीं लाया तो परमेश्वर से सहायता माँगे और उसे ग्रहण करे और उसको अपने जीवन में वास्तविक बना दें।

कण्डस्थ वचन	–	इब्रानियो –:ख७
MEMORY VERSE		क पतरस कःक्त,क–
		रोमियो त्त्:क
		क्यूहन्ना कःस्त्र
		इफिसियो कःस्त्र

GOOD SHEPHERD
MINISTRY INTERNATIONAL

बाईबल अध्यन

भाग – क

पाठ – स्त्र

पुनरूत्थान

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

पाठ–स्त्र

पुनरूथ्तान

यीशु मसीह का पुनरूथ्तान विश्वासी के जीवन में अधिक महत्वपूर्ण है। उनके क्रूस के मृत्यु के पश्चात यीशुकब्र में रहे तीन दिन के लिये (मŽॊ क्द्धब)

फिर परमेश्वर पिता ने पुत्र को मरे हुओ में से जिलाया। पढ़ें मŽॊ ख्द्ध, रोमियो क्:ब और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओ में से जी उठने के कारण सामर्थ के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा।

क. परमेश्वर ने हमें मसीह के साथ जिलाया है

यीशुकी मृत्यु मेरे और आपके पापों के लिये थी।

पढ़ें इफिसियो क्:क–म्, पढ़ें कुलुस्सियो फ्:क–म् मसीह के साथ जिलाये गये नये जीवन के लिये।

क्. हमें नया जीवन देने के लिये

परमेश्वर ने हमें बचाया और बुलाया पवित्र जीवन के लिये हमने कुछ किया उसके कारण नहीं वरन उनके स्वयं के उद्धेश्य और अनुग्रह से। ख्र तितीमुथ्स्सिुस क्:–,क हम नये जीवन और अनन्त जीवन का आनंद लेते हैं मसीह के मृत्यु और पुनरूथ्तान के कारण

ख्र हमें नया जन्म देने के लिये

हमारे प्रभु शीशु मसीह और परमेश्वर पिता का धन्यवाद हो, जिसने यीशु मसीह के मरे हुओ में से जी उठने के द्वारा अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये नया जन्म दिया क्पतरस क्:फ

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

उसका पुनरूत्थान सुरक्षित करता है विश्वासी को नये जीवन और आशा के लिये कि एक दिन उसका भी पुनरूत्थान होगा मसीह के समान।

फ. हमें नई शुरूआत देने के लिये

ख्कुरून्थियो भ:क्त्र इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है पुरानी बाते बी गई हैं देखो सब बातें नई हो गई हैं। उसमें पुन: सृष्टि

ब. आपको देने के लिये

a). **शैतान के ऊपर विजय**

क्यूहन्ना ब:ब हे बालको, तुम परमेश्वर के हो और तुम ने उन पर जय पाई है, €योंकि जो तुम में है वह इस से जो संसार में बड़ा है पढ़े यूहन्ना भ:ब,भ कुलुस्सियो ख:क्प-क्भ

ख. शैतान के ऊपर अधिकार

पढ़ें क्पतरस प:ख्क, ख्ख और लूका क:क्त्र-क- पुनरूत्थान के पश्चात, यीशुस्वर्ग चले गये और परमेश्वर के दाहिने और हैं। हर एक शि€ और अधिकार उसके अधीन है। लूका क:क- "देखो मैंने तु□हें साँपों और बिच्छुओं को रोंदने का और शत्रु की सारी सामर्थ पर अधिकार दिया है।"

b). **शैतान के ऊपर शक्ति**

पढ़ें इफिसियो क:क्त-ख्प ध्यान करे। मु□य बिन्दूओं पर गौर करें।

भ. आपको स्वर्ग राज्यका पुत्र और वाहिस बनाने के लिये

देखें रोमियो त:क्भ-क्त्र हमने मसीह से €या ग्रहण किया

क. ग्रहण किया .....

ख. उसके द्वारा हम परमेश्वर को पुकारते हैं .....

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

फ. आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देती है कि .....

ब. यदि हम परमेश्वर के पुत्र हैं तो ..... €या विशेषाधिकार है ?

ख. पुनरूत्थान हमारे जीवन की हर आवश्यक्ता को पूर्ण करता है

क. वह आपको मुक्ति देता है भूतपूर्व से

आपको पुराना पाप पूर्ण जीवन का क्रूस पर यीशु मसीह के साथ मृत्यु हो गया है और उसको दफनाया गया है कब्र में और जब यीशु मसीह का पुनरूत्थान हुआ, आपका भी हुआ उनके साथ नये सृष्टि के रूप में पुराने जीवन को यीशु मसीह के कब्र में छोड़कर रोमियो म:ब-क्क

पढ़ें इफिसियो ख:क-क्ख परमेश्वर जो दया का धनी है, हमारे पुराने बातों मसीह यीशु में भूल गया देखें कुलुस्यिो ख:क्ख-क्ष

ख वह आपकी शक्ति है वर्तमान के लिये

€योंकि यीशुजीवित है हमने अब ग्रहण किया है उनकी आत्मा की शक्ति को, कि पाप और शैतान का हर आक्रमण जो हमारे विरूद्ध होता है उसके ऊपर जयवन्त जीवन बिता सकें।

पढ़ें रोमियो त:फ्क-फ- विजय देनेवाली बातों को लिखें।

फ. वह आपकी आशा है भविष्य के लिये

यीशु मसीह का पुनरूत्थान हमें भविष्य के लिये बड़ी आशा देता है। यीशु मसीह को मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा बुलाया जाता है (कुलु क:क्त) उनके पुनरूत्थान में वह एक मार्ग खोल रहे थे सब के लियेजो उनपर

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL

विश्वास करते हैं और उनका अनुकरण करते हैं वो भी मुदों में से जी उठे। भविष्य में एक अदभुत दिन यीशु मसीह वापस फिर से संसर में आयेंगे – एक बच्चे के समान नहीं, लेकिन सारे संसार में प्रकट करते हुए वास्तविक में वह कौन है – तेजस्वी परमेश्वर और सृष्टि का प्रधान।

और उस समय सब जो मरे हुए हैं, उसमें विश्वास करते हुए वह वापस जी उठेंगे। देखें क्कुरिन्थियों क्भ:क्स्त्र–ख्प और क्कुरिन्थियों क्भ:भ्–भ्त्र, क्थिस्सलुनीकियो ब्:क्प–क्

€या आप स्पष्ट अनुभव करते हैं आपके नये जीवन की यीशु मसीह में और आपकी मु€त उनमें जो यीशु मसीह के पुनरूथ्तान के द्वारा हुआ है। वचन की सच्चाई आपको मार्गदर्शन दे जयवन्त विश्वासी जीवन जीने के लिये।

अधिन्यास

व्या□याय करे स्वयं के शŽदों में किस प्रकार यीशु मसीह की पुनरूथ्तान की शक्ति आपको जयवन्त नया जीवन मसीह में जीने के लिये मार्गदर्शन करती है।

कण्डस्थ वचन – क्यूहन्ना ब्:ब

MEMORY VERSE ख्कुरिन्थियो भ्:क्स्त्र

लूका क:क–

GOOD SHEPHERD MINISTRY INTERNATIONAL